

दीनानाथ वि. (तत्.) निर्धनों और असहायों के पालक पुं. (तत्.) ईश्वर, राजा (कुवैत, ईरान इराक, जॉर्डन आदि अनेक देश में प्रचलित)।

दीनार स्त्री. (तत्.) राजकीय मुद्रा, स्वर्ण-मुद्रा, अशरफी।

दीप पुं. (तत्.) 1. दीपक, चिराग, दिया 2. काव्य. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 10 मात्राएँ होती हैं एवं अंतः में क्रमशः नगण, गुरु, लघु होते हैं 3. द्वीप, टापू 4. महाद्वीप।

दीपक पुं. (तत्.) एक अर्थालंकार जिसमें उपमान और उपमेय दोनों का एक ही धर्म कहा जाता है अथवा जहाँ एक ही कर्ता के साथ अनेक क्रियाओं की आवृत्ति होती है दे. दीप।

दीपकमाता स्त्री. (तत्.) एक वर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में भगण मगण, जगण और एक गुरु आदि 10 वर्ण होते हैं।

दीपदान पुं. (तत्.) 1. पूजा की कामना से नदी में जलता हुआ दीपक प्रवाहित करना 2. किसी व्यक्ति की मृत्यु के दस दिन तक पीपल के वृक्ष में रोज दीपक जलाना दे. दीपदानी।

दीपदानी स्त्री. (तत्.) 1. मिट्टी, ताँबे या कांसे का बना दिया रखने का पात्र जिस पर हत्था लगा रहता है 2. दीया-बाती का सामान रखने का पात्र।

दीपन वि. (तत्.) 1. प्रकाशित करने वाला 2. बढ़ाने वाला 3. उत्तेजित करने वाला।

दीपनी वि. (तत्.) 1. प्रकाशित करने वाला 2. तेज करने वाली स्त्री. अजवाइन, मेथी।

दीपमाला स्त्री. (तत्.) (जलते हुए) दीपकों की पंक्ति।

दीपमालिका स्त्री. (तत्.) दे. दीपमाला।

दीपशिखा स्त्री. (तत्.) 1. दीए की लौ 2. कालिदास का एक उपनाम।

दीपस्तंभ पुं. (तत्.) लंबी, ऊर्ध्वाधर आकृति की ठोस रचना जिसके नीचे टेक होती है और ऊपर

दीया रखने का स्थान, लंबा दीपाधार दे. प्रकाश स्तंभ।

दीपाग्नि पुं. (तत्.) दीपक की लौ की आँच।

दीपाधार पुं. (तत्.) 1. दीवट, वह आधार जहाँ रखकर दीया जलाया जाता है 2. दीप-स्तंभ।

दीपाराधन पुं. (तत्.) 1. दीपक जलाकर (आरती उतारते हुए) पूजा करना 2. किसी पूजा-अनुष्ठान से पूर्व दीपक की पूजा।

दीपालि, दीपाली स्त्री. (तत्.) दीप-माला, दीयों की शृंखला या पंक्ति दे. दीवाली।

दीपावती स्त्री. (तत्.) एक रागिनी जिसकी उत्पत्ति दीपक और सरस्वती के योग से होती है।

दीपावली स्त्री. (तत्.) 1. कार्तिक अमावस्या को मनाया जाने वाला दीवाली का उत्सव 2. दीपों की पंक्ति, दीपकों की माला।

दीपिका वि. (तत्.) 1. छोटा दिया 2. प्रकाश फैलाने वाली, उजाला देने वाली 3. स्पष्ट करने वाली 4. किसी ग्रंथ के विषय को स्पष्ट करने वाली टीका 5. मार्गनिर्देशक सिद्धांतों की पुस्तिका स्त्री. (तत्.) 1. ज्योत्सना, दीपज्योति 2. टीका, व्याख्या या परिचय-पुस्तिका, विवरणिका, नियमपुस्तिका, प्रकाशिका।

दीपित वि. (तत्.) 1. प्रकाशित, प्रदीप्त प्रकाशित किया हुआ, जलाया हुआ, चमक वाला, प्रज्वलित। 2. उत्तेजित, कुपित।

दीपोत्सव पुं. (तत्.) दीपों का उत्सव, दीये जलाने का पर्व, दीपावली।

दीप्त वि. (तत्.) 1. चमकता हुआ, प्रकाशमान, प्रकाशित, आभासित, पुं. (तत्.) सोना प्रज्वलित उत्तेजित, प्रकोपित 2. आयु. नाक का एक रोग जिसमें नाक से गरम हवा निकलती है और नथुनों में जलन होती है।

दीप्तकीर्ति वि. (तत्.) जिनका यश सर्वत्र व्याप्त हो, अति यशस्वी, प्रसिद्ध पुं. (तत्.) शिव के पुत्र कार्तिकेय।।